NEXT IAS

दैनिक समसामयिकी विश्लेषण

समय: 45 मिनट

दिनाँक: 2-11-2024

विषय सूची

सरदार वल्लभभाई पटेल की 149वीं जयंती

यू.एस. इलेक्टोरल कॉलेज सिस्टम

महिलाओं द्वारा अवैतनिक कार्य में योगदान

स्वर्ण भंडार (Gold Reserves)

संक्षिप्त समाचार

WHO की वैश्विक तपेदिक रिपोर्ट 2024

राज्य गठन दिवस

एसेट रिकवरी इंटरएजेंसी नेटवर्क-एशिया प्रशांत (ARIN-AP)

पहली 'ब्लैक होल ट्रिपल' प्रणाली की खोज

LiDAR

दुर्गेश अरण्य प्राणी उद्यान

वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI)

अभ्यास वज्र प्रहार (Eñercise VAJRA PRAHAR)

अभ्यास गरुड़ शक्ति (Eñercise GARUD SHAKTI)

सरदार वल्लभभाई पटेल की 149वीं जयंती

सन्दर्भ

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 149वीं जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की और गुजरात के केवड़िया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में भाग लिया।

राष्ट्रीय एकता दिवस

- वर्ष 2014 से राष्ट्रीय एकता दिवस, जिसे राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में भी जाना जाता है, प्रत्येक वर्ष 31 अक्टूबर को सरदार पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।
- यह दिवस विभिन्न रियासतों को एक राष्ट्र में एकीकृत करने के उनके प्रयासों की याद दिलाता है और देश के लोगों में एकजुटता की भावना को बढ़ावा देता है।

सरदार पटेल का प्रारंभिक जीवन

- 31 अक्टूबर, 1875 को गुजरात के नाडियाड में जन्मे पटेल एक बैरिस्टर, एक कार्यकर्ता, एक स्वतंत्रता सेनानी और भारत गणराज्य के संस्थापक पिताओं में से एक थे।
- शुरुआती वर्षों में, वे भारतीय राजनीति के प्रति उदासीन थे। लेकिन, बाद में, वे महात्मा गांधी से प्रभावित होने लगे और 1917 तक उन्होंने गांधी के सत्याग्रह (अहिंसा) के सिद्धांत को अपना लिया।
- 1917 से 1924 तक पटेल अहमदाबाद के पहले भारतीय नगर आयुक्त के रूप में कार्यरत रहे और 1924 से 1928 तक इसके निर्वाचित नगरपालिका अध्यक्ष रहे।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान

- **खेड़ा सत्याग्रह, 1917:** गुजरात के खेड़ा जिले में एक प्रमुख स्थानीय नेता के रूप में, पटेल ने अंग्रेजों द्वारा लगाए गए अन्यायपूर्ण भूमि राजस्व करों के विरुद्ध सत्याग्रह के आयोजन में महात्मा गांधी का समर्थन किया।
- **असहयोग आंदोलन, 1920-22:** पटेल ने असहयोग आंदोलन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला, लगभग 300,000 सदस्यों की भर्ती की और 1.5 मिलियन रुपये एकत्रित किए।
    - उन्होंने ब्रिटिश वस्तुओं के बहिष्कार और आर्थिक तथा सांस्कृतिक आत्मनिर्भरता के प्रतीक के रूप में खादी के उपयोग का समर्थन किया।
- **बारडोली सत्याग्रह, 1928:** बारडोली सत्याग्रह के दौरान, पटेल ने अकाल से पीड़ित स्थानीय जनसँख्या का समर्थन किया और भूमि करों में वृद्धि की।
- **सविनय अवज्ञा आंदोलन 1930-34:** उन्होंने नमक सत्याग्रह में सक्रिय रूप से भाग लिया, जो ब्रिटिश नमक एकाधिकार के खिलाफ एक अहिंसक विरोध था।
- **भारत छोड़ो आंदोलन, 1942:** उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और हड़तालों का आयोजन किया तथा पूरे भारत में प्रभावशाली एवं उत्तेजक भाषण दिए, लोगों को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन में शामिल होने, सविनय अवज्ञा के कार्यों में शामिल होने, कर भुगतान का बहिष्कार करने तथा सिविल सेवा बंद करने के लिए प्रेरित और संगठित किया।

भारत के एकीकरण में योगदान

- **भारत का राजनीतिक एकीकरण:** उन्होंने भारत के राजनीतिक एकीकरण और 1947 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- **रियासतों का एकीकरण:** उन्होंने 565 रियासतों को भारत संघ में एकीकृत करने का कार्य बहुत ही कम समय में सफलतापूर्वक पूरा किया था - जो इतिहास में अभूतपूर्व उपलब्धि थी।
- **प्रशासनिक सुधार:** सरदार पटेल द्वारा किया गया एक और बेहतर योगदान अखिल भारतीय सेवाओं का निर्माण था। उन्होंने इन सेवाओं को 'भारत के स्टील फ्रेम' के रूप में देखा था जो देश की एकता और अखंडता को अधिक सुरक्षित बनाए रखेंगे।
- **राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना:** उन्होंने एक राष्ट्र के रूप में 'भारत के विचार' को बढ़ावा दिया और इस बात पर बल दिया कि अपनी विविधता के बावजूद, देश को एकजुट रहना चाहिए।

अन्य योगदान

- **संवैधानिक भूमिका:** उन्होंने विभिन्न संवैधानिक समितियों का नेतृत्व किया, जैसे मौलिक अधिकारों पर सलाहकार समिति, अल्पसंख्यकों एवं जनजातीय और बहिष्कृत क्षेत्रों पर समिति, प्रांतीय संविधान समिति।
- उन्होंने पहले उप प्रधान मंत्री के साथ-साथ स्वतंत्र भारत के पहले गृह मंत्री के रूप में भी कार्य किया।

सम्मान और मान्यताएँ

- **भारत के लौह पुरुष:** देश के विभाजन के बाद गृह मंत्री के रूप में जिस तरह से उन्होंने आंतरिक स्थिरता लाई और उसे बनाए रखा, उसके कारण उन्हें 'लौह पुरुष' की प्रतिष्ठा मिली।
- **भारत रत्न:** उन्हें 1991 में मरणोपरांत देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार भारत रत्न से सम्मानित किया गया।
- **स्टैच्यू ऑफ यूनिटी:** यह विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा है जिसका अनावरण 31 अक्टूबर, 2018 को गुजरात के केवडिया में उनकी 143वीं जयंती के अवसर पर किया गया था।

निष्कर्ष

- सरदार पटेल की विरासत राजनीति से परे है; वे एकता, लचीलापन और राष्ट्र के कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता के प्रतीक थे।
- उनका जीवन नेतृत्व की शक्ति, समर्पण और अपने देश के प्रति अटूट प्रेम का प्रमाण है, जिसने भारत को एक अधिक मजबूत, एकीकृत राष्ट्र बनाने में सहायता की।

Source: PIB

यू.एस. इलेक्टोरल कॉलेज सिस्टम

समाचार में

- अमेरिकी नागरिक 5 नवंबर को 47वें राष्ट्रपति को चुनने के लिए मतदान करेंगे, जिसमें मुख्य उम्मीदवार रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रम्प और डेमोक्रेट कमला हैरिस होंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव कैसे होता है?

- अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव प्रत्येक चार वर्ष में नवंबर के पहले मंगलवार को होते हैं।
- **पात्रता की आवश्यकताएँ:** उम्मीदवारों को स्वाभाविक रूप से अमेरिकी नागरिक होना चाहिए, उनकी आयु कम से कम 35 वर्ष होनी चाहिए, और वे 14 वर्षों से अमेरिका में रह रहे हों।
    - यदि वे 5,000 डॉलर से अधिक धन एकत्रित करते हैं या व्यय करते हैं, तो उन्हें संघीय चुनाव आयोग के साथ पंजीकरण कराना होगा।
- **प्राइमरीज़ और कॉकस:** एक बार जब उम्मीदवार राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने की अपनी इच्छा की घोषणा कर देते हैं, तो प्राइमरीज़ और कॉकस परिचर्चा की प्रक्रिया शुरू हो जाती है।
    - **प्राइमरीज़:** राज्य द्वारा संचालित चुनाव, जिसमें मतदाता गुप्त मतदान द्वारा अपने पसंदीदा पार्टी के उम्मीदवारों का चयन करते हैं।
    - **कॉकस:** पार्टी द्वारा संचालित सभाएं जहां मतदाता चर्चा करते हैं और उम्मीदवारों का चयन करते हैं।
        - **प्रकार:** खुला (कोई भी मतदाता भाग ले सकता है), बंद (केवल पंजीकृत पार्टी सदस्य) और अर्ध-बंद
- **राष्ट्रीय सम्मेलन:** पार्टियाँ आधिकारिक तौर पर अपने राष्ट्रपति और उप-राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों को नामित करती हैं।
    - प्रतिनिधि, प्रतिज्ञाबद्ध या अप्रतिबद्ध, नामांकित व्यक्ति के लिए मतदान करते हैं। यदि कोई भी उम्मीदवार बहुमत नहीं प्राप्त करता है, तो अतिरिक्त दौर आयोजित किए जाते हैं
- **आम चुनाव मतदान:** यह नवंबर में होता है, जिसमें सभी प्रमुख पार्टी के उम्मीदवार मतपत्र पर होते हैं।
    - पंजीकृत मतदाता किसी भी उम्मीदवार को मत दे सकते हैं, चाहे वह प्राथमिक भागीदारी या पार्टी पंजीकरण का हो।
    - राज्य अलग-अलग नियमों के साथ प्रारंभिक, अनुपस्थित और मेल-इन मतदान की अनुमति देते हैं।

इलेक्टोरल कॉलेज प्रणाली के बारे में:

- निर्वाचक मंडल एक मध्यस्थ निकाय या प्रक्रिया है जो अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव करता है।
- राष्ट्रपति का चुनाव निर्वाचक मंडल के बहुमत (538 में से 270) मतों से होता है, न कि लोकप्रिय मतों से।
- **निर्वाचक का चयन:** प्रत्येक राज्य के मतदाता निर्वाचक का चुनाव करते हैं जो फिर राष्ट्रपति के लिए मत करते हैं। राज्यों में उनके कांग्रेसी प्रतिनिधित्व (हाउस + सीनेट) के बराबर निर्वाचक होते हैं।
    - किसी उम्मीदवार के लिए प्रतिबद्ध निर्वाचक, अपने राज्य के लोकप्रिय मत परिणाम के आधार पर दिसंबर में मतदान करते हैं।
- **विश्वासघाती मतदाता:** जो मतदाता लोकप्रिय मत के अनुसार मतदान नहीं करते हैं उन्हें "विश्वासघाती मतदाता" कहा जाता है। कुछ राज्य उन्हें दंडित करते हैं, हालांकि वे शायद ही कभी परिणामों को प्रभावित करते हैं।

- **लोकप्रिय वोट का प्रभाव:** सामान्यतः, जो पार्टी किसी राज्य का लोकप्रिय मत प्राप्त करती है, वह अपने निर्वाचकों को निर्वाचक मंडल में भेजती है, जिनसे उसके अनुसार मतदान करने की अपेक्षा की जाती है।
    - मेन और नेब्रास्का को छोड़कर, किसी राज्य के लोकप्रिय मत का विजेता उसके सभी चुनावी मत ले लेता है।
- **बराबरी की स्थिति:** अगर 269-269 का अंतर होता है, तो प्रतिनिधि सभा राष्ट्रपति का निर्णय करने के लिए मतदान करती है, जिसमें प्रत्येक राज्य प्रतिनिधिमंडल के पास एक मत होता है। विजय प्राप्त करने के लिए उम्मीदवार को 26 मतों की आवश्यकता होती है।
- **कांग्रेस वोट गणना:** चुनावी मतों की गणना के लिए कांग्रेस जनवरी में बैठक करेगी, और नए राष्ट्रपति का पदभार 20 जनवरी, 2025 को ग्रहण किया जाएगा।
- **उप-राष्ट्रपति चुनाव:** सीनेट उप-राष्ट्रपति के लिए मत करता है, जिसमें प्रत्येक सीनेटर के पास एक मत होता है। विजयी के लिए उम्मीदवार को 51 मतों की आवश्यकता होती है।
- **संभावित विभाजित परिणाम:** चूंकि राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति का चुनाव सदन और सीनेट द्वारा अलग-अलग किया जाता है, इसलिए मत विभाजित होने पर वे अलग-अलग पार्टियों से हो सकते हैं।
- **मतगणना और शपथ ग्रहण:** कांग्रेस जनवरी की शुरुआत में चुनावी मतों की गिनती करती है।
    - नए राष्ट्रपति का कार्यकाल 20 जनवरी को शपथ ग्रहण दिवस से शुरू होता है।

Source: TH

महिलाओं द्वारा अवैतनिक कार्य में योगदान

सन्दर्भ

- अवैतनिक देखभाल कार्य, पालन-पोषण और घरेलू जिम्मेदारियों के माध्यम से अर्थव्यवस्था में महिलाओं के योगदान की अदृश्यता अनुसंधान तथा चर्चा का एक बढ़ता हुआ विषय रहा है।

परिचय

- यह संवाद राष्ट्रीय लेखों में इन योगदानों को पहचानने और महत्व देने की आवश्यकता पर बल देता है, तथा उनके मौद्रिक मूल्य पर प्रकाश डालता है।
- हालांकि राष्ट्रीय लेखों की प्रणाली ने 1993 से सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की गणना में घरेलू उत्पादन को शामिल किया है, लेकिन इसने अवैतनिक देखभाल कार्य को उल्लेखनीय रूप से बाहर रखा है।

महिलाओं द्वारा अवैतनिक श्रम

- श्रम बल में शामिल न होने वाली महिलाएँ प्रतिदिन अवैतनिक घरेलू और देखभाल संबंधी कार्यों में सात घंटे से अधिक समय व्यतीत करती हैं।
- नियोजित महिलाएँ इसी तरह के कार्यों में 5.8 घंटे समर्पित करती हैं।
- इसके विपरीत, बेरोजगार पुरुष चार घंटे से भी कम समय व्यतीत करते हैं, जबकि नियोजित पुरुष प्रतिदिन केवल 2.7 घंटे ही योगदान देते हैं।

- यह तीव्र विरोधाभास महिलाओं द्वारा वहन किए जाने वाले अवैतनिक श्रम के महत्वपूर्ण भार को रेखांकित करता है।

महिलाओं द्वारा किये जाने वाले अवैतनिक कार्यों को मान्यता देने की आवश्यकता

- **संधारणीय परिवार:** बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की देखभाल और घरेलू कार्यों सहित अवैतनिक श्रम परिवारों के दैनिक कामकाज के लिए आवश्यक है।
- **आर्थिक योगदान:** यह दूसरों को सशुल्क रोजगार में भाग लेने की अनुमति देकर कार्यबल का समर्थन करता है, जिससे आर्थिक गतिविधि और स्थिरता सक्षम होती है।
- **संसाधन प्रबंधन:** महिलाएँ प्रायः बजट बनाने से लेकर भोजन तैयार करने तक के घरेलू संसाधनों का प्रबंधन करती हैं।
- **व्यक्तिगत संतुष्टि:** विभिन्न महिलाएँ देखभाल और घरेलू प्रबंधन से व्यक्तिगत संतुष्टि तथा संतुष्टि प्राप्त करती हैं, इसे अपने परिवारों एवं समुदायों के लिए एक सार्थक योगदान के रूप में देखती हैं।
- **भविष्य की पीढ़ियों के लिए आधार:** अवैतनिक श्रम बच्चों के पालन-पोषण और शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, भविष्य की पीढ़ियों को आकार देता है तथा उनके विकास एवं कल्याण में योगदान देता है।

अवैतनिक कार्य को मान्यता देने का प्रयास

- 2016 में, संयुक्त राष्ट्र ने इस दृष्टिकोण को अपने सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) में शामिल किया, विशेष रूप से SDG 5 में, जो लैंगिक समानता प्राप्त करने और महिलाओं को सशक्त बनाने पर बल देता है।
    - लक्ष्य 5.4 का उद्देश्य 2030 तक विशेष रूप से निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों में सहायक नीतियों और साझा घरेलू जिम्मेदारियों के माध्यम से अवैतनिक देखभाल तथा घरेलू कार्यों को मान्यता देना एवं महत्व देना है।
- एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (APEC 2022) ने यह जानकारी दी है कि अवैतनिक कार्य APEC सदस्य अर्थव्यवस्थाओं के सकल घरेलू उत्पाद में अनुमानित 9% का योगदान देता है, जो 11 ट्रिलियन डॉलर के बराबर है।

भारत में अवैतनिक कार्य का आर्थिक मूल्य

- भारतीय स्टेट बैंक की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अवैतनिक कार्य लगभग ₹22.7 लाख करोड़ या देश के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 7.5% योगदान देता है।
- महिलाएँ ऐसे कार्यों पर प्रति सप्ताह लगभग 36 घंटे व्यतीत करती हैं, जबकि पुरुष केवल 16 घंटे ही व्यतीत करते हैं।
    - यह असमानता घरेलू जिम्मेदारियों की लैंगिक प्रकृति को प्रदर्शित करती है और घरेलू श्रम के संबंध में व्यापक सामाजिक मानदंडों को दर्शाती है।
- शोध से संकेत मिलता है कि श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने से भारत की GDP में 27% तक की वृद्धि हो सकती है।

निष्कर्ष

- आर्थिक विकास की इस क्षमता का दोहन करने के लिए ऐसी नीतियां बनाना महत्वपूर्ण है जो अवैतनिक कार्य को मान्यता दें और महत्व दें, कार्यबल में लैंगिक समानता को प्रोत्साहित करें और भारत की समग्र उत्पादकता को बढ़ावा दें।

Source: TH

स्वर्ण भंडार (Gold Reserves)

सन्दर्भ

- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत का स्वर्ण भंडार वर्तमान में कुल 854.73 मीट्रिक टन है।
    - इसमें से 510.46 मीट्रिक टन देश के अंदर, जबकि 324.01 मीट्रिक टन बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (BIS) के पास भंडारित है।

परिचय

- भारत के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में अब सोना 9.32% है, जो मार्च 2024 में 8.15% से अधिक है।
- वैश्विक स्तर पर, भारत सोने के भंडार के मामले में 8वें स्थान पर है। शीर्ष रैंकिंग वाले देश संयुक्त राज्य अमेरिका, जर्मनी और इटली हैं, अमेरिका के पास जर्मनी, इटली और फ्रांस के संयुक्त भंडार के समान सोना है।

स्वर्ण भंडार

- सोने का अन्य परिसंपत्ति वर्गों के साथ कम सह-संबंध है और इसलिए, भू-राजनीतिक तनाव तथा वर्तमान आर्थिक अनिश्चितता और/या बाजारों में मंदी की अवधि के दौरान सुरक्षा प्रदान करता है।
- सोने की कीमतों का ब्याज दरों के साथ विपरीत संबंध माना जाता है।
    - जब ब्याज दरें कठोर कर दी जाती हैं तो सोना निवेशकों के लिए कम आकर्षक हो जाता है क्योंकि इससे कोई लाभ नहीं मिलता। इसके विपरीत, कम ब्याज दरों के साथ-साथ कमजोर डॉलर भी निवेशकों को सुरक्षा बुलियन कुशन का विकल्प चुनने के लिए प्रेरित कर सकता है।
- **केंद्रीय बैंक विभिन्न कारणों से सोना/स्वर्ण संचित करते हैं:**
    - **मौद्रिक स्थिरता:** स्वर्ण मूल्य का भंडार प्रदान करता है और प्रायः आर्थिक अनिश्चितता के विरुद्ध सुरक्षा के रूप में उपयोग किया जाता है।
    - **मुद्रा समर्थन:** स्वर्ण भंडार से देश की मुद्रा विश्वसनीयता बढ़ती है, क्योंकि इसे मुद्रा के मूल्य के लिए एक समर्थन के रूप में देखा जाता है।
    - **निवेश विविधीकरण:** स्वर्ण रखने से केंद्रीय बैंक की परिसंपत्तियों में विविधता आती है, जिससे उनके निवेश पोर्टफोलियो में जोखिम कम होता है।
    - **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और भुगतान:** स्वर्ण भंडार से अंतरराष्ट्रीय व्यापार और भुगतान में सुविधा होती है, जो मुद्रा के सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत रूप के रूप में कार्य करता है।
- महत्वपूर्ण स्वर्ण भंडार वाले देशों में संयुक्त राज्य अमेरिका, जर्मनी, इटली और फ्रांस शामिल हैं।

स्वर्ण भंडार रणनीति

- RBI ने बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स के संरक्षण में अपने 324 टन स्वर्ण भंडार को बनाए रखा है, जो सामूहिक रूप से विदेशों में भारत के सोने का एक बड़ा भाग रखते हैं।
- 1697 में स्थापित बैंक ऑफ इंग्लैंड अपनी व्यापक स्वर्ण भंडारण सुविधाओं के लिए प्रसिद्ध है और न्यूयॉर्क फेडरल रिजर्व के बाद विश्व का दूसरा सबसे बड़ा सोने का संरक्षक बना हुआ है।
    - लंदन में भारत के सोने का एक भाग संग्रहीत करने से RBI को लंदन बुलियन बाजार तक तत्काल पहुंच मिलती है, जिससे बढ़ी हुई तरलता मिलती है।

Source: TH

संक्षिप्त समाचार

WHO की वैश्विक तपेदिक रिपोर्ट 2024

सन्दर्भ

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने अपनी नवीनतम वैश्विक TB रिपोर्ट में क्षय रोग (TB) के विरुद्ध भारत के प्रयासों में प्रगति और वर्तमान चुनौतियों पर प्रकाश डाला है।

परिचय

- **वैश्विक TB मामले:** TB सबसे ज़्यादा जानलेवा बीमारी बनी हुई है, जो कोविड-19 को पीछे छोड़ देगी। 2023 में इसके 8.2 मिलियन नए मामले सामने आएंगे।
- **भारत में TB का भार:** विश्व भर में TB के सबसे ज़्यादा मामलों के साथ भारत में 2023 में 2.8 मिलियन मामले दर्ज किए गए। अकेले भारत में वैश्विक मामलों का 26% और वैश्विक TB से होने वाली मृत्युओं का 29% (315,000 मृत्यु) है।
    - भारत के बाद इंडोनेशिया (10%), चीन (6.8%), फिलीपींस (6.8%) और पाकिस्तान (6.3%) का स्थान है।
- **बहु-औषधि प्रतिरोधी TB:** भारत में विश्व के बहु-औषधि प्रतिरोधी TB के 27% मामले हैं, जो विशेष उपचार दृष्टिकोण की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

क्षय रोग क्या है?

- तपेदिक (TB) एक संक्रामक रोग है जो प्रायः फेफड़ों को प्रभावित करता है और माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस नामक बैक्टीरिया के कारण होता है।
- यह संक्रमित लोगों के खांसने, छींकने या थूकने से हवा के माध्यम से फैलता है।
- **लक्षण:** लंबे समय तक खांसी (कभी-कभी खून के साथ), सीने में दर्द, कमजोरी, थकान, वजन कम होना, बुखार, रात में पसीना आना।
    - जबकि TB सामान्यतः फेफड़ों को प्रभावित करता है, यह गुर्दे, मस्तिष्क, रीढ़ और त्वचा को भी प्रभावित करता है।

- **उपचार:** यह एंटीबायोटिक दवाओं से रोकथाम योग्य और इलाज योग्य है।
- **TB वैक्सीन:** बैसिलस कैलमेट-गुएरिन (BCG) वैक्सीन TB के विरुद्ध एकमात्र लाइसेंस प्राप्त वैक्सीन बनी हुई है; यह शिशुओं और छोटे बच्चों में TB(TB मेनिन्जाइटिस) के गंभीर रूपों के विरुद्ध मध्यम सुरक्षा प्रदान करती है।
- भारत का लक्ष्य 2025 तक तपेदिक (TB) को समाप्त करना है, जो 2030 के वैश्विक लक्ष्य से पांच वर्ष पहले है।

Source: IE

राज्य गठन दिवस

समाचार में

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्य प्रदेश, कर्नाटक, केरल, हरियाणा एवं छत्तीसगढ़ के स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं दीं और प्रत्येक राज्य की अद्वितीय विशेषताओं पर प्रकाश डाला।

स्वतंत्रता एवं राज्यों का गठन

- स्वतंत्रता दिवस पर, ब्रिटिश शासन समाप्त हो गया, जिससे दो प्रभुत्व, भारत और पाकिस्तान, बने।
- 550 से अधिक रियासतों के पास किसी भी राष्ट्र में शामिल होने का विकल्प था, जिनमें से अधिकांश भारत में शामिल हो गईं।
- **रियासतों का एकीकरण:** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने राज्यों के संघ की कल्पना की थी, और सरदार वल्लभभाई पटेल ने रियासतों को एकीकृत करने के प्रयासों का नेतृत्व किया। हैदराबाद और जूनागढ़ को सैन्य कार्रवाई के बाद शामिल किया गया, और कश्मीर दबाव में भारत में शामिल हो गया।
- **प्रारंभिक भाषाई आधार:** भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 1920 में भाषाई प्रांतों के विचार को स्वीकार किया। एस.के. धर और जेवीपी समितियों ने शुरू में भाषाई पुनर्गठन को अस्वीकार कर दिया।
- **पहला भाषाई राज्य (1953):** पोट्टी श्रीरामुलु के विरोध के बाद तेलुगु भाषियों के लिए आंध्र प्रदेश बनाया गया। इसने राज्य पुनर्गठन आयोग (SRC) के गठन को गति दी, जिसके परिणामस्वरूप 1956 का राज्य पुनर्गठन अधिनियम बना।
- **1956 में राज्य और केंद्र शासित प्रदेश:** इस अधिनियम ने मुख्य रूप से भाषाई आधार पर 14 राज्य और छह केंद्र शासित प्रदेश बनाए।
- **बॉम्बे पुनर्गठन (1960):** भाषाई आंदोलनों के कारण, बॉम्बे राज्य से महाराष्ट्र और गुजरात का गठन किया गया।
- **पंजाब पुनर्गठन (1966):** पंजाबी सूबा आंदोलन के कारण पंजाबी भाषियों के लिए पंजाब, हिंदी भाषियों के लिए हरियाणा और हिमाचल प्रदेश का निर्माण हुआ।
- **गोवा, दमन और दीव का एकीकरण (1961):** भारतीय सैनिकों ने इन पुर्तगाली क्षेत्रों पर नियंत्रण कर लिया, जिससे 1987 में गोवा एक राज्य बन गया और दमन और दीव एक केंद्र शासित प्रदेश बन गया।
- **उत्तर-पूर्व पुनर्गठन:** स्वतंत्रता के बाद, असम शुरू में एकमात्र पूर्वोत्तर राज्य था। आंदोलनों के कारण नागालैंड (1963), मेघालय (1972), मणिपुर और त्रिपुरा को राज्य का दर्जा मिला। अरुणाचल प्रदेश को 1982 में राज्य का दर्जा मिला।

- **सिक्किम का विलय (1975):** राजशाही को समाप्त करने के साथ सिक्किम एक संरक्षित राज्य से भारतीय राज्य में परिवर्तित हो गया।

- **2000 के दशक में विकास के लिए राज्य गठन:** झारखंड, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड का गठन बड़े राज्यों के विशिष्ट क्षेत्रों में अविकसितता को दूर करने के लिए किया गया था।
- **तेलंगाना का निर्माण (2014):** लंबे समय से चली आ रही मांगों के कारण क्षेत्र के बुनियादी ढांचे और संसाधनों की कथित उपेक्षा के कारण आंध्र प्रदेश से तेलंगाना का गठन किया गया।
- **जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (2019):** विशेष दर्जा रद्द कर दिया गया, जिससे आर्थिक एवं सुरक्षा लाभ के उद्देश्य से जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया।

Source: TH

एसेट रिकवरी इंटरएजेंसी नेटवर्क-एशिया प्रशांत (ARIN-AP)

समाचार में

- भारत अपने प्रवर्तन निदेशालय (ED) के माध्यम से एसेट रिकवरी इंटरएजेंसी नेटवर्क-एशिया पैसिफिक (ARIN-AP) की संचालन समिति में शामिल हो गया है।

ARIN-AP के बारे में

- 28 सदस्य अधिकार क्षेत्रों और नौ पर्यवेक्षकों के साथ ARIN-AP, संपर्क बिंदुओं के नेटवर्क के माध्यम से संपत्ति का पता लगाने, उसे फ्रीज करने और अधिहरण करने के लिए सीमा पार सहयोग को सक्षम बनाता है।
- यह वैश्विक CARIN नेटवर्क का भाग है जो एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अपराध की आय से निपटने के लिए समर्पित है।
- यह खुफिया जानकारी साझा करने में सहायता करता है, तथा एजेंसियों को सीमा पार अपराधों से जुड़ी संपत्तियों का पता लगाने और उन्हें बरामद करने में सहायता करता है।
- भारत 2026 में ARIN-AP की अध्यक्षता संभालने और इसकी वार्षिक सामान्य बैठक की मेजबानी करने के लिए तैयार है, जिससे परिसंपत्ति पुनःप्राप्ति में इसकी अग्रणी भूमिका सुदृढ़ होगी।
- यह भूमिका ARIN-AP की निर्णय-प्रक्रिया और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में भारत की भागीदारी को बढ़ाएगी तथा वैश्विक परिसंपत्ति पुनर्प्राप्ति प्रयासों को समर्थन प्रदान करेगी।

Source:TH

पहली 'ब्लैक होल ट्रिपल' प्रणाली की खोज

समाचार में

- खगोलविदों ने V404 सिग्नी नामक एक दुर्लभ त्रिगुण ब्लैक होल प्रणाली की खोज की है, जो ब्लैक होल के निर्माण के बारे में हमारी समझ को बदल देती है।

परिचय

- पृथ्वी से लगभग 8,000 प्रकाश वर्ष की दूरी पर स्थित, V404 सिग्नी में दो परिक्रमा करने वाले तारों वाला एक ब्लैक होल है - एक बहुत करीब, प्रत्येक 6.5 दिन में चक्कर लगाता है, और दूसरा बहुत दूर, हमारे सूर्य से प्लूटो की दूरी से लगभग 100 गुना दूर।
- V404 सिग्नी से जानकारी
- यह V404 सिग्नी प्रणाली "प्रत्यक्ष पतन" नामक एक अलग गठन विधि का सुझाव देती है, जहां एक ब्लैक होल का निर्माण सुपरनोवा विस्फोट के बिना शांतिपूर्वक होता है। हजारों सिमुलेशन ने पुष्टि की कि यह V404 सिग्नी के ब्लैक होल के बनने का सबसे संभावित उपाय था, जिसने दूसरे, दूर के तारे को हिंसक विस्फोट से बाहर निकलने से बचाया।

ब्लैक होल क्या है?

- यह अंतरिक्ष में इतना मजबूत गुरुत्वाकर्षण वाला क्षेत्र है कि कुछ भी, यहां तक कि प्रकाश भी, इससे बच नहीं सकता। आइंस्टीन के सामान्य सापेक्षता के सिद्धांत के अनुसार, एक ब्लैक होल तब बनता है जब एक बड़ा द्रव्यमान बहुत सघन हो जाता है, जिससे स्पेसटाइम मुड़ जाता है। वापसी न होने की सीमा को इवेंट क्षितिज कहा जाता है।
- **प्रकार:** ब्लैक होल के चार मुख्य प्रकार हैं:
  - **तारकीय ब्लैक होल:** ढहते तारों से बनते हैं।
  - **मध्यवर्ती ब्लैक होल:** तारकीय से बड़े लेकिन सुपरमैसिव से छोटे।
  - **सुपरमैसिव ब्लैक होल (SMBH):** सबसे बड़ा प्रकार, आकाशगंगाओं के केंद्र में पाया जाता है, जैसे कि हमारी आकाशगंगा में सैजिटेरियस A*।
  - **माइक्रो ब्लैक होल:** बहुत छोटे, काल्पनिक ब्लैक होल, 1971 में स्टीफन हॉकिंग द्वारा प्रस्तावित।
- ब्लैक होल तब बनते हैं जब किसी विशाल तारे का ईंधन समाप्त हो जाता है। तारे नाभिकीय संलयन के कारण चमकते हैं, जो गुरुत्वाकर्षण के विरुद्ध बाहर की ओर धकेलता है। लेकिन जब किसी तारे का ईंधन समाप्त हो जाता है, तो यह बाहरी दबाव बंद हो जाता है और गुरुत्वाकर्षण प्रभावी हो जाता है, जिससे तारा ढह जाता है।

Source: TH

LiDAR

सन्दर्भ

- वैज्ञानिकों ने LiDAR का उपयोग करके घने मैक्सिकन जंगल में सदियों से छिपे हुए एक लुप्त माया शहर का पता लगा लिया है।

परिचय

- LiDAR, या लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग, एक रिमोट सेंसिंग तकनीक है जो एक सेंसर की रेंज को मापने के लिए स्पंदित लेजर के रूप में प्रकाश का उपयोग करती है, जिसे सामान्यतः एक विमान में लगाया जाता है।
    - डेटा का उपयोग जमीन की ऊंचाई के उच्च-रिज़ॉल्यूशन 3-D मॉडल बनाने के लिए किया जा सकता है।
- **कार्य:** LiDAR इंस्ट्रूमेंटेशन में एक लेजर, एक स्कैनर और एक GPS रिसीवर शामिल है।
    - तेजी से फायर होने वाला लेजर जमीन पर जाता है, जहां यह वनस्पति, इमारत और विभिन्न स्थलाकृतिक विशेषताओं से टकराता है।
    - यह प्रकाश परावर्तित या बिखरा हुआ होता है, और LiDAR सेंसर द्वारा रिकॉर्ड किया जाता है।
- **महत्व:** LiDAR का उपयोग पृथ्वी के आकार और इसकी सतह की विशेषताओं के बारे में सटीक, त्रि-आयामी जानकारी उत्पन्न करने के लिए किया जाता है।
    - यह भूगोलवेत्ताओं, नीति निर्माताओं, संरक्षणवादियों और इंजीनियरों के लिए उपयोगी जानकारी है।

Source: IE

दुर्गेश अरण्य प्राणी उद्यान

सन्दर्भ

- हिमाचल प्रदेश कांगड़ा के देहरा निर्वाचन क्षेत्र में भारत का पहला IGBC-प्रमाणित प्राणी उद्यान शुरू करने जा रहा है।
    - बनखंडी में स्थित दुर्गेश अरण्य प्राणी उद्यान में सतत और पर्यावरण के अनुकूल बुनियादी ढांचा होगा, जो इसे हरित-प्रमाणित वन्यजीव पार्कों में अग्रणी बना देगा।

भारतीय हरित भवन परिषद

- यह भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) का एक भाग है और इसकी स्थापना 2001 में हुई थी।
- इसका प्राथमिक लक्ष्य भारत में सतत भवन प्रथाओं को बढ़ावा देना और हरित भवनों के विकास को सुविधाजनक बनाना है।
- IGBC आवासीय, वाणिज्यिक और संस्थागत परियोजनाओं सहित विभिन्न प्रकार की इमारतों के लिए विभिन्न रेटिंग प्रणालियाँ विकसित करता है।
- ये रेटिंग इमारतों के पर्यावरणीय प्रदर्शन का आकलन करने और निर्माण में हरित प्रथाओं को अपनाने को प्रोत्साहित करने में सहायता करती हैं।

Source: HT

वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI)

सन्दर्भ

- भारत में विभिन्न स्थानों पर वायु गुणवत्ता खराब हो गई, वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 300 से अधिक पहुंच गया, जिसे "बहुत खराब" श्रेणी में रखा गया है।

वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) के बारे में

- AQI एक ऐसा माप है जिसे 2014 में स्वच्छ भारत अभियान के तहत शुरू किया गया था ताकि लोगों को वायु प्रदूषण के स्तर को समझने में सहायता मिल सके। AQI प्रदूषण के आंकड़ों को एकल, आसानी से पढ़े जाने वाले स्कोर और रंग कोड में संक्षिप्त करता है:
  - अच्छा (0-50)
  - संतोषजनक (50-100)
  - मध्यम प्रदूषित (100-200)
  - खराब (200-300)
  - बहुत खराब (300-400)
  - गंभीर (400-500)
- AQI स्कोर विभिन्न प्रदूषकों पर आधारित है, जिनमें PM 2.5, PM 10, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड और अन्य शामिल हैं।

PM2.5 और PM10 का स्वास्थ्य पर प्रभाव

- PM2.5 (2.5 माइक्रोमीटर से छोटे कण) जैसे छोटे प्रदूषक विशेष रूप से हानिकारक होते हैं, क्योंकि वे फेफड़ों और रक्तप्रवाह में प्रवेश कर सकते हैं, जिससे अस्थमा, हृदय रोग और अन्य दीर्घकालिक बीमारियाँ उत्पन्न हो सकती हैं।

ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (GRAP)

- ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (GRAP) दिल्ली-NCR क्षेत्र में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए बनाया गया एक ढांचा है। इसे आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र के रूप में पेश किया गया था, और इसका कार्यान्वयन तब शुरू होता है जब AQI "खराब" स्तर पर पहुँच जाता है।
- NCR और आस-पास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) GRAP के कार्यान्वयन की देखरेख करता है। यह पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) के साथ सहयोग करता है।
- दिल्ली-NCR के लिए GRAP को वायु गुणवत्ता के चार चरणों में विभाजित किया गया है - चरण 1 "खराब" वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) के लिए 201 और 300 के बीच, चरण 2 "बहुत खराब" AQI 301-400 के लिए, चरण 3 "गंभीर" AQI 401-450 के लिए और चरण 4 "गंभीर प्लस" AQI 450 से अधिक के लिए।
- यह योजना प्रदूषण को कम करने के लिए आपातकालीन उपायों को लागू करती है, जैसे कि भोजनालयों में कोयले के उपयोग पर प्रतिबंध, डीजल जनरेटर को प्रतिबंधित करना और उत्सर्जन को रोकने के लिए अन्य कार्रवाई।

Source: IE

अभ्यास वज्र प्रहार (Exercise VAJRA PRAHAR)

सन्दर्भ

- भारत-अमेरिका संयुक्त विशेष बल अभ्यास वज्र प्रहार का 15वां संस्करण अमेरिका के इडाहो में ऑर्चर्ड कॉम्बैट ट्रेनिंग सेंटर में शुरू हुआ।

परिचय

- वर्ष 2010 में शुरू किया गया यह अभ्यास रेगिस्तानी/अर्ध-रेगिस्तानी वातावरण में संयुक्त विशेष बल अभियानों को अंजाम देने में संयुक्त क्षमताओं को बढ़ाएगा।
- अभ्यास वज्र प्रहार का उद्देश्य अंतर-संचालन, संयुक्तता और विशेष संचालन रणनीति के पारस्परिक आदान-प्रदान को बढ़ाकर भारत और अमेरिका के बीच सैन्य सहयोग को बढ़ावा देना है।

भारत-अमेरिका से जुड़े अन्य सैन्य अभ्यास

- **द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास:** युद्ध अभ्यास (सेना), कोप इंडिया (वायु सेना), टाइगर ट्रायम्फ (त्रि-सेवा) और संगम (नौसेना विशेष बल)।
- **बहुपक्षीय सैन्य अभ्यास:** मालाबार (नौसेना), रिम-ऑफ-द-पैसिफिक (RIMPAC, नौसेना), मिलान (नौसेना), ला पेरोस (नौसेना), पिच ब्लैक (वायु सेना), और रेड फ्लैग (वायु सेना)।

Source: PIB

अभ्यास गरुड़ शक्ति (Exercise GARUD SHAKTI)

सन्दर्भ

- भारत-इंडोनेशिया संयुक्त विशेष बल अभ्यास गरुड़ शक्ति का 9वां संस्करण जकार्ता, इंडोनेशिया में शुरू हुआ।

परिचय

- इसका पहला संस्करण वर्ष 2012 में भारत में आयोजित किया गया था।
- **उद्देश्य:** दोनों पक्षों को एक-दूसरे की संचालन प्रक्रियाओं से परिचित कराना, दोनों सेनाओं के विशेष बलों के बीच आपसी समझ, सहयोग और अंतर-संचालन को बढ़ाना।

क्या आप जानते हैं?

- भारतीय नौसेना और इंडोनेशियाई नौसेना के बीच अभ्यास समुद्र शक्ति और IND-INDO CORPAT (भारत-इंडोनेशिया समन्वित गश्ती) का आयोजन किया जाता है। हालाँकि, दोनों शक्तियों के बीच कोई नियमित द्विपक्षीय हवाई अभ्यास नहीं होता है।

Source: PIB

■■■■